सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंकः 57 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार 2 अप्रैल, 2026

मूल्य ₹ 3/-

बिना किसी शक के मशीनों ने समृद्ध आलसियों की संख्या बहुत अधिक बढ़ा दी है।
-कार्ल मार्क्स

पहली जीत की तलाश में उतरेंगी कोलकाता... 7 | असम विधानसभा चुनाव से पहले... 3 | एनजीओ पर नियंत्रण कर अपनी... 2

जनआक्रोश में बदलती 4PM पर लगी पाबंदी

सदन में संजय सिंह ने सरकार को ललकारा, प्रेस क्लब आफ इंडिया ने जाहिर कि चिंता बताया इसे खतरनाक ट्रेंड

» मुकेश मोहन पर मुकदमा राजीव निगम के फेसबुक पेज पर पाबंदी, जुबैर के एक्स पोस्ट डिलीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। डिजिटल भारत के इस दौर में जहां एक क्लिक से सच लाखों तक पहुंचता है अब उसी क्लिक की जान खतरे में हैं। क्योंकि सरकार ने सोशल मीडिया को पूरी तरह से कंट्रोल करने के लिए मन बना लिया है और उसकी ताबड़तोड कार्रवाई यह बताने के लिए काफी है। 4पीएम पर लंबे समय से सरकार शिंकजा कसने की कोशिश कर रही है। उसने ऐसा किया भी और कई बार उसके नेशनल चैनल समेत सोशल मीडिया एकाउंट पर पाबंदी लगायी।

हाल में एक बार फिर 4पीएम के नेशनल चैनल पर लगी पाबंदी अब जनआक्रोश में बदलने लगी है। प्रेस क्लब आफ इंडिया ने सरकार की इन कोशिश का विरोध खुले मंच से किया है और चिटठी भी जारी कि हैं। वही सदन के भीतर आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सदन में सरकार की इस मुद्दे पर बखिया उधेड़ दी। उन्होंने सदन में बोलते हुए कहा कि सरकार अपराधियों को पकड़ने में नाकाम है क्योंकि वह यूटयूब पर निगरानी रखने में व्यस्त हैं। उनहोंने कहा कि सरकार ने संजय शर्मा के 4पीएम को बंद करवा दिया है। राजीव निगम के फेसबुक पेज पर भी पाबंदी है। मुकेश मोहन पर भी मुकदमा लिखवा दिया है। प्रेस क्लब का आरोप है कि हाल के दिनों में जिस तरह से सरकार आलोचनात्मक कंटेंट को निशाना बना रही है वह एक खतरनाक ट्रेंड की ओर इशारा करता है। कंटेंट क्रिएटर्स के अकाउंट ब्लॉक किए जा रहे हैं पोस्ट हटाए जा रहे हैं लेकिन सबसे बड़ा सवाल क्यों? किस आधार पर इसका जवाब किसी के पास नहीं।

संविधान बनाम सेंसरशिप

भारत का संविधान अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत हर नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देता है। लेकिन क्या यह अधिकार अब शर्तों के साथ दिया जा रहा है? सुप्रीम कोर्ट ने श्रेय सिंघल बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक फैसले में साफ कहा था कि अस्पष्ट और मनमाने प्रावधानों के आधार पर आनलाइन कंटेंट हटाना असंवैधानिक है। कोर्ट ने चेताया था कि ऐसी कार्रवाइयां भय का माहौल पैदा करती हैं जहां लोग खुद ही अपनी आवाज दबाने लगते हैं। लेकिन आज हालात कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं। सवाल उठता है कि क्या सुप्रीम कोर्ट की उस चेतावनी को नजरअंदाज किया जा रहा है?

प्रेस क्लब की मांग आवाज को मत कुचलो

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया ने साफ कहा है कि सरकार को इन अतिरेकपूर्ण और मनमानी कार्रवाइयों को रोकना चाहिए और नागरिकों के मौलिक अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की है कि कंटेंट हटाने की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए ताकि किसी को भी बिना कारण चुप न कराया जा सके। यह मुद्दा सिर्फ कुछ अकाउंट्स या पोस्ट्स का नहीं है। यह भारत के लोकतांत्रिक चरित्र का सवाल है। अगर आज सोशल मीडिया पर आवाज दबाई जा रही है तो कल यह दायरा और बढ़ सकता है। सवाल यह है कि क्या हम एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रहे हैं जहां सच बोलने से पहले अनुमति लेनी पड़ेगी? भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है लेकिन लोकतंत्र सिर्फ चुनावों से नहीं चलता वह विचारों की आज़ादी से चलता है। अगर वही आजादी खतरे में है तो यह सिर्फ पत्रकारों या एक्टिविस्ट्स की लड़ाई नहीं बल्कि हर उस नागरिक की लड़ाई है जो अपनी बात कहने का हक रखता है। सरकार को यह समझना होगा कि आवाज दबाने से सवाल खत्म नहीं होते बल्कि और तेज हो जाते हैं। और शायद यही इस पूरे विवाद का सबसे बड़ा सच है।

डर का माहौल या लोकतंत्र का दम घुटना?

जब किसी कंटेंट को बिना स्पष्ट कारण के हटा दिया जाता है तो सिर्फ एक पोस्ट नहीं मिटती उसके साथ भरोसा भी मिटता है। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया ने अपने बयान में इसी खतरे की ओर इशारा किया है। उनका कहना है कि ऐसी कार्रवाइयां न सिर्फ पत्रकारों बल्कि आम नागरिकों में भी भय का माहौल पैदा करती हैं। लोग अब लिखने से पहले सोचते नहीं डरते हैं। यह वही चिलिंग इफेक्ट है जिसके बारे में सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी दी थी कि जहां कानून का डर लोगों को चुप करा देता है भले ही उन्होंने कुछ गलत न किया हो।

एक के बाद एक कार्रवाई सिर्फ इत्तेफाक?

पिछले कुछ हफ्तों में जो घटनाएं सामने आयी हैं वह किसी संयोग से ज्यादा एक सिस्टमेटिक पैटर्न की ओर इशारा करती हैं। फैक्ट चेकर मोहम्मद जुबैर के कई पोस्ट एक्स पर ब्लाक कर दिए गए। मोलिटक्स और नेशनल दस्तक जैसे मीडिया प्लेटफॉर्म्स के फेसबुक पेज भारत में बंद कर दिए गए। राजीव निगम जैसे व्यंग्यकार भी इस कार्रवाई की चपेट में आ गए। 4पीएम न्यूज का यूट्यूब चैनल भी ब्लाक हो चुका है। हद तो तब हो गयी जब 4पीएम की न्यूज एंकर की रील तक को सरकार ने भारत में बैनकरवा दिया। इन सभी मामलों में एक समानता है यह सभी प्लेटफार्म या व्यक्ति सरकार की आलोचना करने वाले कंटेंट के लिए जाने जाते हैं। सरकार का पक्ष यह है कि यह कार्रवाई आईटी एक्ट की धारा 69ए के तहत की जा रही है लेकिन यहां भी पारदर्शिता का अभाव साफ दिखता है। कई मामलों में यह तक नहीं बताया गया कि कौन सा कंटेंट हटाया गया और क्यों।

पारदर्शिता का अभाव सबसे बड़ा सवाल

इस पूरे विवाद का सबसे चिंताजनक पहल है पारदर्शिता की कमी। कंटेंट क्यों हटाया गया? किस आधार पर अकाउंट ब्लॉक हुआ? क्या क्रिएटर को सफाई देने का मौका मिला? इन सवालों के जवाब अक्सर गायब रहते हैं। और यही इस पूरी प्रक्रिया को मनमाना और असंवैधानिक बनाता है। यह भी सच है कि सरकार के पास कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी है। फेक न्यूज हिंसा भड़काने वाले कंटेंट या राष्ट-विरोधी गतिविधियों पर रोक जरूरी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर आलोचना को खतरा मान लिया जाएगा? लोकतंत्र में सरकार की आलोचना कोई अपराध नहीं बल्कि एक जरूरी प्रक्रिया है। अगर आलोचना ही गायब हो जाए तो लोकतंत्र सिर्फ एकतरफा संवाद बनकर रह जाएगा।

एनजीओ पर नियंत्रण कर अपनी कठपुतली बनाना चाहती है भाजपा: अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एनजीओ की विदेशी फंडिंग को नियमित करने के नाम पर लाए जा रहे Foreign Contribution (Regulation) Amendment 2026 पर भाजपा सरकार को घेरा है। उन्होंने पूछा कि पीएम केयर्स फंड में विदेशों से आए पैसे का क्या होगा और इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से प्राप्त धन को भाजपा कब लौटाएगी, खासकर जब इलेक्टोरल बॉन्ड को ही अवैध घोषित कर दिया गया है।

यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा एनजीओ पर अवांछित नियंत्रण करके उन्हें अपनी कठपुतली बनाना चाहती है और धीरे-धीरे उनकी संपत्तियों को हड़पना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार खुद तो कुछ करती नहीं है और जो सच्चे स्वतंत्र एनजीओ अच्छा काम कर रहे हैं, उन्हें भी नहीं करने देना चाहती है, क्योंकि कई बार गैर सरकारी संस्थाएं सरकार से ज्यादा अच्छा काम कर दिखाती हैं, जिससे सरकार की नाकामी उजागर होती है।

विधि-विधान से आ रहे धन पर तो प्रतिबंध लगाए जा रहे अखिलेश यादव ने यह भी पूछा कि विदेश से विधि-विधान से आ रहे धन पर तो प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं, लेकिन उस अकूत धन का क्या जो अवैध रूप से विदेश जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार उन भगोड़े भाजपाई भाइयों की संपत्तियां जब्त करेगी जो विदेश में आराम से ऐश कर रहे हैं, या उन्हें भी विशेष छूट मिलती रहेगी।

उन्होंने मंदिर निर्माण के नाम पर चंदा इकट्ठा करने वाले भाजपा से जु? संगठनों पर भी सवाल उठाए और कहा कि उनसे जुड़े पदाधिकारियों के खातों और संपत्तियों से वसूली की जानी चाहिए।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की बदनीयत और बेईमानी ही उसके हर बिल की बुनियाद होती है। उन्होंने जनता से भाजपा का पक्षपात का एटीएम बंद करने का आह्वान किया।

व्यापार जगत से अपील, भाजपा पर लगाया पक्षपात का आरोप

अखिलेश यादव ने व्यापार जगत से अपील की कि वे भाजपा के पक्षपात के एटीएम के खिलाफ आवाज उठाएं, जिसके कारण देश के व्यापार जगत में भूचाल आ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वैध तरीके से हासिल किए गए सौदों से भी कारोबारियों को वंचित किया जा रहा है, जिसके चलते वे खुलकर विरोध कर रहे हैं।अखिलेश ने कहा कि भाजपा की एकतरफा नकारात्मक नीतियों के कारण देश में असंतुलन हो रहा है और विदेशी निवेशक विश्वास खो रहे हैं। उन्हें लगता है कि जब भारतीय कारोबारियों के बीच ही इतने बड़े स्तर पर भेदभाव किया जा रहा है, तो विदेशी निवेशकों को भी unfair trade practice का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि इन हालातों में भारतीय व्यापार जगत के बीच कटुता का माहौल बन सकता है, जो भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक है। उन्होंने डॉ. लोहिया के विचारों का हवाला देते हुए कहा कि पक्षपात के कारण उपजे असमान अवसरों की वजह से व्यापारिक प्रतिस्पर्धा, प्रतिद्वंद्विता में बदल जाती है, जिससे पूंजीपति ही पूंजीपति को खत्म करने लगता है। इसका नुकसान न सिर्फ पूंजीपतियों, कारोबारियों, व्यापारियों को होता है, बल्कि देश की जनता को भी होता है।

कुशल अधिकारियों की कद्र नहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में कुशल अधिकारियों की कोई अहमियत नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा में उनकी पूछ है जो चोरी के पैसों की चोरी करते हैं या निवेश में प्रवेश शुल्क वसूलते हैं। उन्होंने अच्छे अधिकारियों से भावावेश में आकर कोई फैसला न करने की अपील की और कहा कि क्वद्ध सरकार आने पर उन्हें उचित मान-सम्मान-स्थान मिलेगा। उन्होंने कहा कि क्वद्ध सरकार जनता की सरकार होगी, जो समस्याओं के समाधान और असमानताओं को दूर करने के लिए विकास के काम करेगी।

महिलाओं पर आपत्तिजनक बोल हनी सिंह और बादशाह पर पड़े भारी

» दिल्ली हाईकोर्ट ने वॉल्यूम 1 हटाने का दिया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पॉप म्यूजिक की दुनिया के दो बड़े नाम यो यो हनी सिंह और बादशाह और अब कानूनी घेरे में आ गए हैं। उनके चर्चित गाने वॉल्यूम वन को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए इसे सभी प्लेटफॉर्म्स से हटाने के आदेश दिए हैं। अदालत ने अपने फैसले में साफ कहा कि इस गाने के बोल महिलाओं के प्रति अपमानजनक, अश्लील और गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले हैं।

कोर्ट का मानना है कि ऐसे कंटेंट का सार्वजनिक मंचों पर प्रसारण समाज में गलत संदेश देता है और महिलाओं के सम्मान के खिलाफ है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि गाने के लिरिक्स न सिर्फ अभद्र हैं, बल्कि महिलाओं को वस्तु की तरह पेश करते हैं। इस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार पूर्ण नहीं है, और इसे सामाजिक मर्यादा और कानून के दायरे में रहकर ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, म्यूजिक ऐप्स और सोशल मीडिया से इस गाने को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह फैसला एक बार फिर इस बहस को तेज कर रहा है कि मनोरंजन के नाम पर क्या कुछ भी परोसा जा सकता है, या फिर समाज और कानून की सीमाएं कलाकारों के लिए भी उतनी ही जरूरी हैं।

चुनाव टालने की चाल पर हाईकोर्ट सख्त

» राजस्थान में लोकतंत्र की घड़ी पर सवाल

» स्थानीय निकाय चुनावों में देरी पर एसईसी और राज्य चुनाव आयुक्त को अवमानना नोटिस, चार हफ्ते में मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में हो रही देरी अब सीधे न्यायपालिका के निशाने पर आ गई है। गुरुवार को राजस्थान हाईकोर्ट ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए राज्य चुनाव आयोग और राज्य चुनाव आयुक्त राजेश्वर सिंह को अवमानना नोटिस जारी कर दिया। यह कार्रवाई उस वक्त हुई जब अदालत ने पाया कि चुनाव कराने को लेकर पहले दिए गए स्पष्ट निर्देशों के बावजूद आयोग ने ऐसा शेड्यूल जारी किया जो अदालत की तय समयसीमा से आगे जाता है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एस.पी. शर्मा की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच ने पूर्व विधायक संयम लोढ़ा द्वारा दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। अदालत ने सख्त लहजे में पूछा कि जब पहले ही चुनाव 15 अप्रैल 2026 तक संपन्न कराने का निर्देश दिया जा चुका था, तो फिर मतदाता सूची संशोधन का ऐसा कार्यक्रम क्यों बनाया गया, जिससे यह समयसीमा अपने आप अप्रासंगिक हो जाती है।

याचिकाकर्ता के वकील पुनीत सिंघवी ने कोर्ट के सामने दलील दी कि राज्य सरकार और चुनाव आयोग जानबूझकर चुनावों को टालने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने इसे न सिर्फ अदालत के आदेशों की अनदेखी बताया, बल्कि सुनियोजित अवमानना करार दिया। उनका कहना था कि आयोग द्वारा जारी शेड्यूल के मुताबिक अंतिम मतदाता सूची 22 अप्रैल को प्रकाशित होनी है, जिससे यह साफ हो जाता है कि 15 अप्रैल तक चुनाव कराना संभव ही नहीं रहेगा। सुनवाई के दौरान राज्य के एडवोकेट जनरल राजेंद्र प्रसाद ने अदालत को बताया कि सरकार चुनाव शेड्यूल को आगे बढ़ाने के लिए एक अलग आवेदन दाखिल करने की तैयारी में है। इस पर अदालत ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह मुद्दा बाद में देखा जाएगा, लेकिन फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि आयोग ने अदालत के आदेश के विपरीत शेड्यूल जारी कैसे कर दिया। हाईकोर्ट ने इस पूरे मामले पर राज्य चुनाव आयोग से चार सप्ताह के भीतर विस्तृत जवाब मांगा है।

गौरतलब है कि 14 नवंबर 2025 को राजस्थान हाईकोर्ट ने 439 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट निर्देश दिया था कि 15 अप्रैल 2026 तक पंचायत और स्थानीय निकाय चुनाव हर हाल में पूरे किए जाएं। साथ ही परिसीमन की प्रक्रिया 31 दिसंबर 2025 तक समाप्त करने का आदेश भी दिया गया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने भी इस समयसीमा को बरकरार रखते हुए चुनाव समय पर कराने की अनिवार्यता दोहराई थी। फिलहाल इस मामले में राज्य सरकार को सीधे अवमानना नोटिस नहीं दिया गया है, लेकिन अदालत की सख्ती से यह साफ संकेत मिल रहा है कि यदि जवाब संतोषजनक नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में सरकार भी कानूनी घेरे में आ सकती है।

दो वर्ष की नियमित सेवा पूरी करने वाले अनुबंध कर्मियों को बड़ी राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने 30 सितंबर 2024 व 2025 में दो वर्ष की निरंतर सेवा पूरी करने वाले अनुबंध कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है। सरकार की ओर से गुरुवार को जारी सरकार ने निर्णय लिया है कि जिन अनुबंध कर्मचारियों ने 30 सितंबर 2024 और 30 सितंबर 2025 तक दो वर्ष की निरंतर सेवा पूरी कर ली थी, वे संबंधित नीतियों के तहत नियमितीकरण के लिए पात्र होंगे। ऐसे कर्मचारियों को क्रमशः 30 सितंबर 2024 और 30 सितंबर 2025 के बाद नियमित माना जाएगा।

कार्मिक विभाग की ओर से गुरुवार को जारी निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया है कि नियमितीकरण की शर्तें और नियम पहले की तरह ही लागू रहेंगे, इनमें किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया गया है। यह निर्देश सभी प्रशासनिक सचिवों, मंडलायुक्तों, विभागाध्यक्षों और उपायुक्तों को भेजे गए हैं, ताकि पात्र कर्मचारियों के मामलों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। गौरतलब है कि इन कर्मचारियों को सितंबर की जगह अगले वर्ष के 31 मार्च को दो साल का अनुबंध पूरा होने पर नियमित किया था। बीते दिनों ही सरकार ने अनुबंध कर्मचारियों को दोबारा से साल में दो बार सितंबर और मार्च में नियमित करने का निर्णय लिया है।

राज्यपाल के सचिव चंद्र प्रकाश वर्मा को हटाया, एडीसी को अतिरिक्त कार्यभार

वहीं सिविल सेवा बोर्ड की सिफारिशों पर सरकार ने एक आईएएस व एक आईपीएस अधिकारी का तबादला किया है। राज्यपाल के सचिव चंद्र प्रकाश वर्मा को सचिव (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता) के पद पर नियुक्त किया है। राज्यपाल के एडीसी संदीप कुमार भारद्वाज राज्य के सचिव पद का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

महंगाई पर सियासी संग्राम-विपक्ष का वार

» सरकार सच छुपा रही जनता भुगत रही मार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में बढ़ती महंगाई को लेकर सियासत गरमा गई है। विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि जनता को गुमराह किया जा रहा है जबकि जमीनी हकीकत कहीं ज्यादा गंभीर है। कांग्रेस और अन्य दलों के नेताओं का कहना है कि हालात सामान्य नहीं हैं, लेकिन सरकार सच्चाई छिपाने में लगी है।

सांसद उज्जवल रमन सिंह ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब कोई युद्ध या वैश्विक संकट नहीं था तब भी उत्तर प्रदेश में खाद की भारी कमी देखी गई थी। उन्होंने प्रयागराज का उदाहरण देते हुए बताया कि डाई अमोनियम फॉस्फेट और यूरिया की किल्लत पहले से ही थी। अब जब पश्चिमी एशिया में तनाव बढ़ रहा है तो इसका असर देशभर में दिखने लगा है। उन्होंने आशंका जताई कि आने वाले समय में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतें और बढ़ सकती हैं।

इसी मुद्दे पर कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने सरकार के उस फैसले पर सवाल उठाए, जिसमें जरूरी पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर कस्टम ड्यूटी माफ की गई है। उनका कहना है कि इससे आम जनता को कोई राहत नहीं मिल रही, बल्कि कुकिंग गैस जैसी जरूरी चीजों के लिए लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की हालत खराब हो चुकी है। लोग गैस के लिए लाइन में खड़े हैं, और सरकार खामोश है, उन्होंने कहा। उन्होंने तंज कसते हुए यह भी जोड़ा कि आने वाले समय में सत्ता परिवर्तन के बाद हालात सुधरेंगे। समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय ने सरकार के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जमीनी सच्चाई कुछ और ही है। उनके मुताबिक, मंत्री कह रहे हैं कि कोई संकट नहीं है, लेकिन खुद प्रधानमंत्री के क्षेत्र में लोग लाइन में खड़े हैं। अगर संकट नहीं है, तो फिर बैठकों और निर्देशों की क्या जरूरत है? उन्होंने सवाल उठाया।

महाराष्ट्र में फिर गरमाई सियासत

एनसीपी के कार्यक्रम में नई आफत

» एनसीपी एसपी गुट के विधायक रोहित पवार ने उठाया मुद्दा

» एनसीपी नेताओं ने इन आरोपों को मगरमच्छ के आंसू बताया

» पार्थ पवार ने शिवतीर्थ में राज ठाकरे से की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में अजित पवार की मौत हुए दो महीने हो गए हैं। पर वहां की सियासत एकबार फिर गरमा गई। पहली तो हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के एक कार्यक्रम में एक पोस्टर पर दिवंगत अजीत पवार और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की तस्वीरें न होने को लेकर बवाल मचा है। दूसरी ओर अजित पवार के पुत्र पार्थ ने राजठकरे से मुलाकात की है। आपको बता दें शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट के दो विधायकों ने इस चूक को तुरंत उजागर किया।

अजीत पवार के भतीजे और एनसीपी (एसपी) गुट के विधायक रोहित पवार ने आरोप लगाया कि सुनील तटकरे और प्रफुल पटेल उनकी बुआ सुनेत्रा पवार से एनसीपी की बागडोर छीनने की कोशिश कर रहे हैं। महाराष्ट्र में हाल ही में हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के एक कार्यक्रम में एक पोस्टर पर दिवंगत अजीत पवार और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की तस्वीरें न होने के कारण राजनीतिक बवाल मच गया है। यह घटना 27 मार्च को रायगढ़ जिले में नवनिर्वाचित जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के अभिनंदन समारोह के दौरान घटी, जिसमें राज्य एनसीपी प्रमुख सुनील तटकरे भी उपस्थित थे। बैनर पर केवल तात्करे, उनकी बेटी और मंत्री अदिति तात्करे और उनके भाई अनिकेत तात्करे की तस्वीरें प्रदर्शित की गईं, जबकि इस साल जनवरी में विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले अजीत पवार की तस्वीर को छोड़ दिया गया। शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट के दो विधायकों ने इस चूक को तुरंत उजागर किया। अजीत पवार के भतीजे और एनसीपी (एसपी) गुट के विधायक रोहित पवार ने आरोप लगाया कि सुनील तटकरे और प्रफुल पटेल उनकी बुआ सुनेत्रा पवार से एनसीपी की बागडोर छीनने की कोशिश कर रहे हैं।

दिवंगत अजीत पवार और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की तस्वीरें बैनर से गायब

रोहित पवार ने विवादित बैनर की तस्वीर साझा

रोहित पवार ने विवादित बैनर की तस्वीर साझा करते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जब जमींदार चुपके से किरायेदारों की 7/12 जमीन अपने नाम कर लेता है, तो यह इसका जीता-जागता उदाहरण है। ठीक वही बात जिसके बारे में हम बार-बार बात करते रहे हैं। इन आरोपों का जवाब देते हुए अदिति तटकरे ने गलती के लिए माफी मांगी और कहा कि ऐसे कार्यक्रम पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि मैं खेद व्यक्त करती हूँ। चाहे अजीत दादा हों या सुनेत्र काकी, हमारे दिलों में उनका स्थान अटूट है। बैनर पर लगी तस्वीर के आधार पर हम सभी कार्यकर्ताओं की निष्ठा का आकलन नहीं करना चाहिए।

काकी हमें फटकार लगाने का पूरा अधिकार : रोहित पवार

रोहित पवार न आगे कहा कि फिर भी, इससे एक अच्छी बात सामने आई है-हमें अब समझ आ गया है कि स्थानीय स्तर पर किसी स्थानीय कार्यक्रम में हुई एक छोटी सी गलती को मुद्दा बनाने की प्रक्रिया कैसे काम करती है। भगवान ही जानता है कि इस मुद्दे को उछालने में आनंद लेने वालों को दादा के जीवित रहते उनकी आलोचना करने पर कितना पछतावा हो रहा होगा! वरना, पार्टी परिवार के मुखिया के रूप में काकी को हमारी गलती के लिए हमें फटकार लगाने का पूरा अधिकार है। अन्य एनसीपी नेताओं ने इन आरोपों को मगरमच्छ के आंसू बताया और रोहित पवार को अपनी पार्टी के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया।

माफी मांगकर विवाद शांत करने की कोशिश

रायगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में स्थानीय एनसीपी नेताओं ने जिला परिषद और पंचायत समिति के नवनिर्वाचित सदस्यों के सम्मान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम के लिए तैयार किए गए बैनर पर केवल सुनील तटकरे के परिवार के सदस्यों की तस्वीरें लगी थीं। दरअसल इस बैनर पर उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और साथ ही दिवंगत नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की तस्वीरें नहीं थीं। नतीजतन, इस मुद्दे पर तटकरे परिवार को न केवल विपक्ष की, बल्कि एनसीपी के भीतर के ही कुछ अन्य पदाधिकारियों की भी कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा। आखिरकार रविवार देर रात अदिति ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगी और इस तरह इस विवाद को खत्म करने की कोशिश की।

मुलाकात की वजह पर अटकलें

इस बीच ऐसी व्यापक अटकलें लगाई जा रही हैं कि इन दोनों नेताओं के बीच सोमवार को हुई यह मुलाकात राज्य के राजनीतिक गलियारों में एक बड़ा राजनीतिक उथल-पुथल मचा सकती है। इस मुलाकात के पीछे का असली मकसद तभी साफ हो पाएगा, जब राज ठाकरे या पार्थ पवार खुद इसके ब्योरे का खुलासा करेंगे।

पार्थ व राजठाकरे में डेढ़ घंटे तक चर्चा

एनसीपी के नेता और दिवंगत पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे पार्थ पवार ने मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे से उनके आवास शिवतीर्थ पर मुलाकात की। खबरों के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच करीब डेढ़ घंटे तक चर्चा चली। इस बीच मुलाकात के पीछे का सटीक संदर्भ या असली वजह अभी तक सामने नहीं आई है। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि पार्थ पवार और राज ठाकरे के बीच यह मुलाकात महज एक शिष्टाचार भेंट नहीं थी, बल्कि इसके गहरे राजनीतिक मायने हैं। नतीजतन इस मुलाकात ने राजनीतिक अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है।

असम विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की सियासत अपने चरम पर

भाजपा व कांग्रेस ने जारी किए घोषणापत्र

» दिग्गज नेताओं ने एक-दूसरे किए तीखे प्रहार

» दोनों दलों ने प्रचार किए तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की सियासत अपने चरम पर पहुंच गई है। सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी कांग्रेस ने अपने अपने घोषणापत्र जारी कर मतदाताओं को लुभाने की पूरी कोशिश की है।

एक ओर भाजपा ने विकास, सुरक्षा और बुनियादी ढांचे पर जोर दिया है, तो दूसरी ओर कांग्रेस ने सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सहायता और अधिकारों के विस्तार को अपने अभियान का केंद्र बनाया है। ऐसे में दोनों दलों के घोषणापत्र की तुलना चुनावी दिशा को समझने में महत्वपूर्ण हो जाती है। वहीं प्रचार में भी तेजी आई है। हम आपको बता दें कि गुवाहाटी में आज केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भाजपा का संकल्प पत्र जारी करते हुए पांच लाख करोड़ रुपये के बुनियादी ढांचा निवेश का बड़ा वादा किया। इस घोषणापत्र में कुल 31 वादे शामिल हैं, जिनमें मूल निवासियों की जमीन, विरासत और सम्मान की रक्षा को प्रमुखता दी गई है। भाजपा ने बांग्लादेशी मियांओं द्वारा अतिक्रमित जमीन को वापस लेने, समान नागरिक संहिता लागू करने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की बात कही है।

कांग्रेस ने न्याय के मुद्दे को भी प्रमुखता दी

कांग्रेस ने न्याय के मुद्दे को भी प्रमुखता दी है। पार्टी ने दिवंगत जुबीन गर्ग मामले में सौ दिनों के भीतर न्याय दिलाने का वादा किया है और पूरे मामले की साजिश का खुलासा करने की बात कही है। इसके अलावा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने भाजपा पर विभाजनकारी राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी सरकार बनने पर सांप्रदायिक तनाव फैलाने वालों के खिलाफ कड़ा कानून बनाया जाएगा, जिसमें दोषियों को पांच साल तक की सजा दी जाएगी।

कांग्रेस ने घोषणापत्र में पांच प्रमुख गारंटी पेश की

इसके विपरीत कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में पांच प्रमुख गारंटी पेश की हैं, जो सीधे आम जनता के जीवन से जुड़ी हुई हैं। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नौबोइचा में आयोजित जनसभा में घोषणापत्र जारी करते हुए महिलाओं के लिए बिना शर्त मासिक आर्थिक सहायता का बड़ा वादा किया। कांग्रेस का कहना है कि हर महिला को सीधे बैंक खाते में मासिक धनराशि दी जाएगी, साथ ही उन्हें स्वरोजगार शुरू करने के लिए पचास हजार रुपये की सहायता भी मिलेगी। कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा दी जा रही सहायता शर्तों से बंधी होती है, जबकि उनकी योजना पूरी तरह बिना शर्त होगी। इसके अलावा कांग्रेस ने प्रत्येक परिवार को पच्चीस लाख रुपये तक का नगद रहित स्वास्थ्य बीमा देने का वादा किया है। भूमि अधिकार के मुद्दे पर भी कांग्रेस ने बड़ा ऐलान किया है। पार्टी ने एक लाख नहीं बल्कि दस लाख भूमिपुत्रों को स्थायी जमीन का पट्टा देने का वादा किया है, जिससे लोगों को हर साल कागजी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके साथ ही राज्य के सभी वरिष्ठ नागरिकों को हर महीने एक हजार दो सौ पचास रुपये देने की योजना भी घोषणापत्र में शामिल है।

भाजपा का यह घोषणापत्र पिछले एक दशक में हुए विकास पर आधारित : सीतारमण

सीतारमण ने कहा कि भाजपा का यह घोषणापत्र पिछले एक दशक में हुए विकास पर आधारित है, जिसे कांग्रेस अपने लंबे शासनकाल में हासिल नहीं कर सकी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासन में असम में शांति स्थापित हुई है और विकास को गति मिली है। उन्होंने कहा कि अब कई युवा असमी विदेशों की नौकरियां छोड़कर राज्य में लौट रहे हैं, जो बढ़ते अवसरों का संकेत है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसकी नीतियों के कारण असम लंबे समय तक अफस्पा के दायरे में रहा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

अब बिजली संकट से बढ़ेगी आम लोगों की चिंता

"भारत की बिजली व्यवस्था अभी भी काफी हद तक कोयले पर निर्भर है। कुल बिजली उत्पादन का लगभग सत्तर प्रतिशत हिस्सा कोयला आधारित बिजली घरों से आता है। गर्मी के मौसम में जब मांग बढ़ती है, तब कोयले की खपत भी तेजी से बढ़ती है। कई बार यह स्थिति पैदा हो जाती है कि बिजली घरों के पास सीमित दिनों का ही कोयला भंडार बचता है।

अप्रैल महीना प्रारंभ्भ होग गया है। इसी के साथ गर्मी के तेवर भी चढ़ने लगे हैं। उधर गांवों से लेकर शहरों से बिजली आपूर्ति की कमी की वजह से कटौती की खबरे भी आम होने लगी है। इन सबके बीच आम लोगों में तेल व गैस के बाद बिजली संकट को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। ऊर्जा क्षेत्र के जानकारों का कहना है कि इस वर्ष भारत में अधिकतम बिजली मांग दो लाख पचास हजार मेगावाट तक पहुंच सकती है, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर होगा। पिछले वर्ष भी गर्मी के मौसम में मांग ने कई रिकॉर्ड तोड़े थे और करीब दो लाख तीस हजार मेगावाट तक पहुंच गई थी। भीषण गर्मी ने अभी से ही लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया है, जिससे यह सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि आने वाले महीनों में तापमान किस स्तर तक पहुंच सकता है। देश के कई हिस्सों में मार्च के अंतिम सप्ताह से ही तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया जा रहा है। इस बीच पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व में चल रहे तनाव ने ऊर्जा आपूर्ति को लेकर नई चिंताएं खड़ी कर दी हैं।

हालात ऐसे बन रहे हैं कि लोग अब खाना पकाने जैसे घरेलू कार्यों के लिए भी बिजली पर निर्भर होते जा रहे हैं। ऐसे में जब अप्रैल से जून के बीच भीषण गर्मी अपने चरम पर होगी, तब बिजली की मांग में भारी उछाल आना लगभग तय माना जा रहा है। ऊर्जा क्षेत्र के जानकारों का कहना है कि इस वर्ष भारत में अधिकतम बिजली मांग दो लाख पचास हजार मेगावाट तक पहुंच सकती है, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर होगा। पिछले वर्ष भी गर्मी के मौसम में मांग ने कई रिकॉर्ड तोड़े थे और करीब दो लाख तीस हजार मेगावाट तक पहुंच गई थी। इस बार तापमान अधिक रहने की संभावना के चलते मांग और अधिक बढ़ सकती है। हम आपको बता दें कि पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व क्षेत्र दुनिया के प्रमुख ऊर्जा आपूर्तिकर्ता माने जाते हैं। यहां जारी तनाव का सीधा असर कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति पर पड़ रहा है। हालांकि भारत अपनी बिजली जरूरतों का बड़ा हिस्सा कोयले से पूरा करता है, लेकिन गैस आधारित बिजली संयंत्र और आयातित ईंधन भी ऊर्जा संतुलन में अहम भूमिका निभाते हैं। यदि वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होती है तो इसका असर भारत की ऊर्जा लागत पर भी पड़ सकता है। इसके अलावा घरेलू स्तर पर भी बदलाव देखने को मिल रहा है। शहरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण और जीवनशैली में बदलाव के कारण लोग अब गैस की जगह बिजली आधारित उपकरणों का अधिक उपयोग करने लगे हैं। इंडक्शन चूल्हे, बिजली से चलने वाले हीटर और अन्य उपकरणों के बढ़ते इस्तेमाल ने कुल बिजली खपत को और बढ़ा दिया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कई सभ्यताओं को नष्ट किया जलवायु परिवर्तन ने

मुकुल व्यास

मानव इतिहास में जलवायु का हमेशा से ही अहम रोल रहा है। अच्छी जलवायु में अनेक सभ्यताओं का उत्थान हुआ और जलवायु बिगड़ने पर कई सभ्यताओं का पतन हुआ। इतिहास में इसके अनेक उदाहरण मौजूद हैं। जब सही समय पर बारिश होती है, तो फसलें उगती हैं और शहर फलते-फूलते हैं। जब ऐसा नहीं होता, तो लोग दूसरी जगह चले जाते हैं। लगभग 4,200 साल पहले, धरती पर एक बड़ा जलवायु परिवर्तन हुआ था। मध्य पूर्व से लेकर एशिया तक की सभ्यताओं ने मुश्किलें झेलीं। मध्य चीन में, शिजियाहे संस्कृति के नाम से जाना जाने वाला एक बड़ा और संगठित समाज खत्म होने लगा। सालों तक शोधकर्ता इस बात पर बहस करते रहे कि शिजियाहे के पुराने शहर को क्यों छोड़ दिया गया था।

पहले उनका शक सूखे पर था। वैज्ञानिकों की एक टीम ने अब शिजियाहे के पतन का कारण यांग्त्जी वैली में बार-बार, लंबे समय तक होने वाली बारिश को बताया है। उनके नतीजों से पता चलता है कि इस इलाके में जबरदस्त बाढ़ आई थी। यह समझने के लिए कि वास्तव में क्या हुआ, शोधकर्ता जमीन के नीचे गए। यांग्त्ज़ी वैली के बीच में हेशांग गुफा के अंदर, उन्होंने स्टैलेग्माइट (कैल्शियम कार्बोनेट के भंडार) की स्टडी की जो गुफा के फर्श से धीरे-धीरे बढ़ रहा था। स्टैलेग्माइट तब बनते हैं जब छत से बारिश का पानी टपकता है और कैल्शियम कार्बोनेट की छोटी-छोटी परतें पीछे छोड़ जाता है। साल दर साल, ये परतें इतिहास की किताब के पन्नों की तरह जमा होती जाती हैं। उन परतों की रासायनिक बनावट को मापकर शोधकर्ताओं ने एक ऐसी चीज बनाई जिसे उन्होंने 'रेनफाल इयरबुक' कहा। उन्होंने 1,000 साल की अवधि में हर साल कितनी बारिश हुई, यह पता लगाने के लिए 925 सैंपल माप लिए। इसके नतीजे साफ थे। घाटी में तीन सूखे दौर आए। हर दौर 40 से 150 साल तक चला, जब बारिश 700 मिलीमीटर प्रति साल (लगभग 28 इंच) से कम हो गई। इसने दो बहुत ज्यादा बारिश वाले दौर भी झेले। एक 80 साल और दूसरा 140 साल, जब बारिश प्रति वर्ष 1,000 मिलीमीटर से ज्यादा हो गई।

जब शोधकर्ताओं ने बारिश के रिकॉर्ड की तुलना पुरातात्विक सबूतों से की, तो पैटर्न साफ हो गया। बारिश वाले दौर में गंभीर बाढ़, फैलती आर्द्रभूमि और आबादी में तेज गिरावट के संकेत मिले। लगभग 3,950 साल पहले इस इलाके में रिकॉर्ड में सबसे लंबे समय तक भारी बारिश हुई। झीलें फैल गईं। निचली जमीन गीली हो गई और खेती की जमीन कम हो गई। उसी समय, शिजियाहे कल्चर से जुड़े पुरातात्विक अवशेषों की संख्या कम होने लगी। यह गिरावट थोड़ी देर के लिए नहीं थी। यह सदियों तक चली। सबूत बताते हैं कि जो लोग बच गए, उन्होंने घाटी में अपना शहरी ठिकाना छोड़ दिया और ऊंची जगहों पर चले गए। यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफर्ड के अर्थ साइंसेज डिपार्टमेंट और चाइना यूनिवर्सिटी ऑफ जियोसाइंसेज (वुहान) की टीमों ने इस रिसर्च का नेतृत्व किया है। उन्होंने अपने अध्ययन में एक गुफा के अंदर के क्लाइमेट रिकॉर्ड को जमीन के ऊपर एक संगठित समाज की नियति से जोड़ा है। अध्ययन में एक खास बात सामने आई। शोधकर्ताओं ने पाया कि शिजियाहे सभ्यता के खत्म होने से जुड़े ज्यादा बारिश के समय के दौरान सबसे ज्यादा बारिश आज के समय में रिकॉर्ड की गई कुछ बहुत ज्यादा बारिश की घटनाओं से कम थी। यह बात मायने रखती है। पुराने समाजों में बांध, तटबंध, एडवांस्ड ड्रेनेज सिस्टम या बड़े पैमाने पर बाढ़ नियंत्रण की प्लानिंग नहीं थी। वे स्थिर मौसमी पैटर्न पर बहुत ज्यादा निर्भर थे। जब वे पैटर्न टूट गए, तो विकल्प कम हो गए। शिजियाहे कल्चर ने बड़ी बस्तियां बनाई थीं और एडवांस्ड क्राफ्ट और ट्रेड नेटवर्क डेवलप किए थे। लेकिन ये लोग बढ़ती झीलों को भर नहीं सके या उन खेतों को वापस नहीं पा सके जो साल दर साल पानी में डूबे रहते थे। समय के साथ, दूर जाना ही शायद एकमात्र सही विकल्प रहा होगा। यह रिसर्च गर्म होती दुनिया के लिए सबक है। यह दिखाती है कि इंसानी सिस्टम बारिश में लंबे समय तक होने वाले बदलावों के प्रति कितने संवेदनशील हो सकते हैं।

बहुत कम पानी खतरनाक है। बहुत ज्यादा पानी भी उतना ही नुकसानदायक हो सकता है। शिजियाहे की कहानी सिर्फ अतीत के बारे में नहीं है। समाज को अव्यवस्थित करने के लिए चरम जलवायु को रिकॉर्ड तोड़ने की जरूरत नहीं है। उसे बस लंबे समय तक टिकने की जरूरत है। चार हजार साल पहले, नियमित बारिश निरंतर बारिश में बदल गई। खेत डूब गए। शहर खाली हो गए। एक कल्चर जो कभी यांग्त्ज़ी घाटी के बीच में फली-फूली, वह ऊंची जमीन पर बिखर गई। हेशांग की गुफा हर बूंद का हिसाब रखती थी। अब इसने सारी कहानी कह दी है। इस तरह की कहानियां दुनिया में दूसरी जगहों पर भी

आधुनिक हरियाणा के शिल्पी चौधरी बंसी लाल

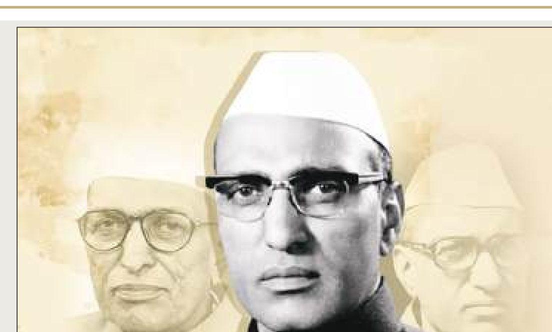

महेंद्र सिंह चोपड़ा

किसी भी देश, प्रदेश और समाज की सबसे बड़ी धरोहर उसके भविष्यद्रष्टा नेता होते हैं जो समाज में चेतना व गर्व का संचार करते हैं और उसके प्रेरणा स्रोत बनते हैं। उनका स्वप्न और उसको साकार करने के लिए किया गया परिश्रम लाखों लोगों की जिंदगी में बेहतरी लाता है। हरियाणा प्रदेश की ऐसी महान विभूतियों में अग्रणी नाम है चौ. बंसीलाल, पिछले दिनों उनकी 20वीं पुण्यतिथि थी। जब भी चौ. बंसीलाल का जिक्र होता है तो एक मिश्रित भाव लोगों के दिलों में आता है। दरअसल उनकी शख्सियत इतनी सशक्त और दमदार थी कि उनके प्रशंसक उनके मुख्यमंत्रित्व के कार्यकाल में हुए बेमिसाल विकास के मद्देनजर उनको 'आधुनिक हरियाणा का निर्माता' और 'विकास पुरुष' जैसी उपाधियों से अलंकृत करते हैं। दूसरी तरफ उनके आलोचक उनके मुखर स्वभाव व उनकी चूकों को गिनवाकर उनकी उपलब्धियों की चमक को कम करना चाहते रहे हैं।

वर्ष 1966 में संयुक्त पंजाब से हिन्दी भाषी क्षेत्र के रूप में अलग होकर स्थापित हुआ हरियाणा प्रदेश सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक व प्रशासनिक पिछड़ेपन का शिकार था और राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा था। ऐसी विकट परिस्थितियों में चौ. बंसीलाल ने 21 मई, 1968 को मुख्यमंत्री बनकर चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी संभाली। अल्पकाल में ही उन्होंने राजनीतिक सूझबूझ और साहस, फौलादी इरादों और परिश्रम के बल पर एक छोटे व पिछड़े प्रदेश को देश के प्रगतिशील राज्य के रूप में स्थापित कर सभी को अचम्भित कर दिया। प्रदेश के वर्तमान राजनैतिक वातावरण के परिप्रेक्ष्य में उनकी प्रशासनिक शैली और राजनैतिक संस्कृति का विशेष महत्व तथा प्रासंगिकता है। चौ. बंसीलाल किसी वाद या विचार के पक्षधर नहीं रहे। राजनीति में जातिवाद, क्षेत्रवाद, सम्प्रदायवाद व अपराध की प्रवृत्तियों को सख्ती से दबाया। वे प्रदेश में 'विकास' व 'सामाजिक समरसता' की राजनीतिक शैली के प्रबल पक्षधर थे। हरियाणा की प्रगति, 'विशिष्ट पहचान' को ही उन्होंने अपने 'राजनैतिक शास्त्र' के रूप में अपनाया जिससे यहां के लोगों में बेहतरी और गर्व की भावना पैदा हुई।

चौ. बंसीलाल एक विचारशील राजनीतिज्ञ थे, बुद्धिजीवियों और विशेषज्ञों से संपर्क बनाए रखते और उनके मशवरे से नीति-निर्माण करते थे। इसलिए उनके प्रशासनिक निर्णयों में गम्भीरता, गहराई, पारदर्शिता और दृढ़ता थी। इन्हीं गुणों के बल पर वे राजनैतिक विरोधियों द्वारा पैदा की जाने वाली बाधाओं को लांघते गये। राजनैतिक अस्थिरता के बावजूद अपने लक्ष्यों को पाते गये। उनमें हरियाणा को देश का श्रेष्ठ प्रदेश बनाने का जुनून था। विचारवान नेता चौ. बंसीलाल ने प्रदेश में बेहद कम समय में बहुत काम ऐसे किए जो देश में पहली बार हुए जिनमें शामिल हैं-प्रत्येक गांव, शहर को पक्की सड़कों से जोड़ना, हर गांव व शहर में बिजली पहुंचाना, लिफ्ट सिंचाई योजना, हरियाणा क्षेत्र में समय से पहले एसवाईएल का निर्माण, परिवहन बेड़ा, प्रशासनिक सुविधा के लिए लघु सचिवालयों का निर्माण और राष्ट्रीय मार्गों पर पर्यटक स्थलों का निर्माण।

वहीं शिक्षा की गुणवत्ता के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों की स्थापना जैसे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार, राई स्पोर्ट्स स्कूल और जीव विज्ञान, पर्यावरण व पारिस्थितिकी विज्ञान में उच्च शिक्षा व अनुसंधान विश्वविद्यालय रोहतक (जो बाद में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय बना)। इससे प्रदेश में कृषि व उद्योगों की उन्नति हुई, समृद्धि आई और महज चार साल के अंतराल में हरियाणा की प्रति व्यक्ति आय देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। उपरोक्त के अतिरिक्त चौ. बंसीलाल प्रदेश में शायद एकमात्र मुख्यमंत्री रहे हैं जिन्होंने हरियाणा की अलग राजधानी के विषय पर गम्भीरता से प्रयास किया। उनके हरियाणावी हृदय को यह स्वीकार्य नहीं था कि हरियाणा पंजाब के साथ साझी राजधानी रखे। शायद इसीलिए उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से हरियाणा के कॉलेजों को निकाल कर कुरुक्षेत्र व रोहतक विश्वविद्यालयों से संबद्ध कर दिया था। उन्होंने भरसक प्रयास किए कि शाह कमीशन की अनुशंसा अनुसार चंडीगढ़ हरियाणा राज्य की ही राजधानी बने। किन्ही कारणों से ऐसा न हो सका। फिर उन्होंने चंडीगढ़ के हरियाणा और पंजाब में विभाजन का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा। लेकिन केंद्र की ओर से कई वजहों से टाल दिया गया। जनवरी, 1970 में तत्कालीन प्रधानमंत्री ने अवार्ड दिया जिसमें प्रावधान था कि चंडीगढ़ पंजाब को दिया जाए और हरियाणा को हिन्दी भाषी अबोहर-फाजिल्का के 105 गांव तथा अपनी अलग राजधानी बनाने के लिए ग्रांट दी जाए।

विपक्षी दलों ने इस मुद्दे को भावनात्मक रंग दे दिया जिस कारण कई जगह हिंसक घटनाएं हुई। दरअसल चौ. बंसीलाल उस अवार्ड को प्रदेश के हित में मानते थे और हरियाणा की आधुनिक राजधानी प्रदेश के किसी सुविधाजनक स्थान पर बनाने के पक्षधर थे। उन्होंने एक-दो स्थानों पर सर्वे भी करवाया। लेकिन उनका यह प्रयास संकीर्ण राजनीति की बलि चढ़ गया। उसके बाद राजीव-लोंगोवाल समझौते द्वारा भी राजधानी-पानी व हिन्दी भाषी क्षेत्रों के विवाद को सुलझाने का आधा-अधूरा प्रयास हुआ। पिछले छह दशकों से यथास्थिति कायम है। चौ. बंसी लाल प्रदेश व इसके लोगों के हितों को निजी राजनैतिक लाभ से अधिक तरजीह देते थे। उन्होंने वर्ष 1999 में नशाबंदी का फैसला समाज हित व जन भावना के अनुरूप लिया था। आज हरियाणा प्रदेश को चौ. बंसी लाल के राजनैतिक विचारों और विरासत को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

कमर के दर्द से हैं परेशान तो करें ये घरेलू उपाय

गर्म और ठंडी सिकाई

दर्द को दबाने के लिए सिकाई सबसे कारगर तरीका है। अगर चोट ताजी है, तो शुरुआती 48-72 घंटों में बर्फ से सिकाई करें, यह रक्त वाहिकाओं को सिकोड़कर सूजन कम करती है। इसके बाद, मांसपेशियों की जकड़न खोलने के लिए गर्म पानी की थैली या हीटिंग पैड का उपयोग करें। गर्मी रक्त संचार को बढ़ाती है, जिससे ऊतकों की मरम्मत तेज होती है और दर्द से राहत मिलती है।ठंडी सिकाई में आमतौर पर आइस पैक, ठंडे पानी में भीगे तौलिए या बाजार में उपलब्ध कोल्ड जेल पैक का उपयोग किया जाता है। ठंडा तापमान प्रभावित जगह के ऊतकों को शांत करता है, जिससे सूजन और जलन जल्दी कम हो जाती है।

हल्का व्यायाम और योग

अक्सर लोग कमर दर्द होने पर पूरी तरह बेड रेस्ट करने लगते हैं, जो मांसपेशियों को और अधिक कमजोर और सख्त बना देता है। इसके बजाय, हल्की सैर या तैराकी करें। योग में मर्कटासन और भुजंगासन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने के लिए बेहतरीन हैं। सक्रिय रहने से शरीर में प्राकृतिक पेनकिलर एंडोर्फिन रिलीज होता है, जो दर्द को सहन करने की क्षमता बढ़ाता है और रिकवरी तेज करता है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और घंटों लैपटॉप के सामने बैठने की मजबूरी ने कमर दर्द को एक वैश्विक महामारी बना दिया है। गलत तरीके से बैठने , अचानक भारी वजन उठाने या शारीरिक सक्रियता की कमी के कारण हमारी रीढ़ की हड्डी और उससे जुड़ी मांसपेशियों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। जब यह दबाव बढ़ता है, तो मांसपेशियों में सूक्ष्म खिंचाव आता है जो सूजन और असहनीय दर्द का रूप ले लेता है। इसे मस्कुलोस्केलेटल पेन कहते हैं, जो लंबे समय तक बना रहे तो आपकी दैनिक दिनचर्या को अस्त-व्यस्त कर सकता है। अच्छी बात यह है कि कमर दर्द के शुरुआती चरणों में महंगी दवाओं के बजाय कुछ आसान उपाय कहीं ज्यादा प्रभावी साबित हो सकते हैं। सिकाई से लेकर सही मालिश और योग के अभ्यास तक, कुछ ऐसे सरल तरीके हैं जो न सिर्फ दर्द की तीव्रता को कम करते हैं बल्कि भविष्य में होने वाली रीढ़ की समस्याओं से भी बचाते हैं।

आदतों में बदलाव

कमर दर्द से स्थाई मुक्ति तभी संभव है जब आप अपना पोस्चर सुधारेंगे। जैसा कि हम अपने दैनिकचर्या में बैठते समय रीढ़ की हड्डी सीधी रखें और पैरों को जमीन पर टिकाएं। इसके अलावा बहुत नरम गद्दे के बजाय मध्यम सख्त गद्दे का चुनाव करें। वहीं भारी सामान उठाते समय घुटनों को मोड़ें न कि कमर को तकलीफ दें। अगर आप इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते हैं और घरेलू नुस्खे अपनाते हैं, तो आपको कमर के दर्द से बहुत जल्दी आराम मिलेगा।

सही तेल से मालिश

दर्द वाली जगह पर सही तेल से मालिश करने से मांसपेशियों का तनाव कम होता है और ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। सरसों के तेल में 4-5 कलियां लहसुन की जलाकर बनाया गया तेल कमर दर्द के लिए रामबाण है। इसके अलावा तिल के तेल से की गई हल्की मालिश भी तंत्रिकाओं को शांत करती है। ध्यान रखें मालिश हमेशा हल्के हाथों से करें और रीढ़ की हड्डी पर सीधा दबाव न डालें।

हंसना मना है

लड़का और लड़की एक रेस्टोरेंट गए, वेटर- मैम, आप कुछ लेंगी? लड़की- भैया एक सब्जी वाली रोटी लाना.. वेटर- क्या? लड़का-गांव से आयी है, पिज्जा वाली रोटी मांग रही है।

संता- डॉक्टर साहब, प्लास्टिक सर्जरी में कितना खर्चा आएगा? डॉक्टर- 50 हजार, संता- अगर प्लास्टिक मैं लेकर दूं तो? डॉक्टर- तो पिघला कर चिपका भी लेना।

पापा- दिन भर फेसबुक पर बैठा रहता है, ये तुझे रोटी नहीं देने वाली, बेटा- पापा मुझे भी पता है रोटी नहीं देगी, पर रोटी बनाने वाली तो यहीं मिलेगी!

सरदार अपनी बीवी के साथ टैक्सी में बैठा, ड्राइवर ने आईना सेट किया, ये देखते ही सरदार (गुस्से में)- मेरी बीवी को देखता है, तु पीछे बैठ टैक्सी मैं चलाऊंगा!

पप्पू अपने ससुराल में गुरुजी का प्रवचन सुनने गया! गुरुजी बोले, जो-जो स्वर्ग जाना चाहता है, वह अपना हाथ ऊपर करें! पप्पू की बीवी और सास ने हाथ ऊपर उठाया ! गुरुजी ने पप्पू जी से पूछा, 'क्या तुम स्वर्ग नहीं जाना चाहते? पप्पू, गुरुजी, यह दोनों चली जायेंगी तो यही पर स्वर्ग हो जायेगा, गुरुजी अपने चेलों से बोले इस ज्ञानी पुरुष को अपनी टीम में शामिल करो।

कहानी | चांद पर खरगोश

गंगा किनारे एक जंगल में चार दोस्त रहते थे, खरगोश, सियार, बंदर और ऊदबिलाव। सभी सबसे बड़ा दानवीर बनना चाहते थे। एक दिन फैसला लिया कि वो कुछ-न-कुछ ऐसा ढूंढकर लाएंगे, जिसे वो दान कर सकें। ऊदबिलाव गंगा तट से लाल रंग की सात मछलियां लेकर आ गया। सियार दही से भरी हांडी और मांस का टुकड़ा लेकर आया। उसके बाद बंदर उछलता-कूदता बाग से आम के गुच्छे लेकर आया। लेकिन खरगोश को कुछ नहीं समझ आया। उससे तीनों मित्रों ने पूछा, अरे! तुम क्या दान करोगे? आज ही के दिन दान करने से महादान का लाभ मिलेगा, पता है न तुम्हें। खरगोश ने कहा, हां, इसलिए आज मैंने खुद को दान करने का फैसला लिया है। यह सुनकर सारे दोस्त हैरान हो गए। जैसे ही इस बात की खबर इंद्र देवता तक पहुंची, तो वो सीधे धरती पर आ गए। इंद्र साधु का भेष बनाकर चारों मित्रों के पास पहुंचे। पहले सियार, बंदर और ऊदबिलाव ने दान दिया। फिर खरगोश के पास इंद्र देवता पहुंचे और कहा तुम क्या दान दोगे। खरगोश ने बताया कि वो खुद को दान कर रहा है। इतना सुनते ही इंद्र देव ने वहां अपनी शक्ति से आग जलाई और खरगोश को उसके अंदर समाने के लिए कहा। खरगोश हिम्मत करके आग के अंदर घुस गया। इंद्र यह देखकर हैरान रह गए। उनके मन में हुआ कि खरगोश सही में बहुत बड़ा दानी है और इंद्र देव यह देख बहुत खुश हुए। उधर, खरगोश आग में भी सही सलामत खड़ा था। तब इंद्र देव ने कहा, मैं तुम्हारी परीक्षा ले रहा था। यह आग मायावी है, इसलिए इससे तुम्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। इतना कहने के बाद इंद्र देव ने खरगोश को आशीर्वाद देते हुए कहा, तुम्हारे इस दान को पूरी दुनिया हमेशा याद करेगी। मैं तुम्हारे शरीर का निशान चांद पर बनाऊंगा। इंद्र देव ने चांद में एक पर्वत को मसलकर खरगोश का निशान बना दिया। तब से ही मान्यता है कि चांद पर खरगोश के निशान हैं और इसी तरह चांद तक पहुंचे बिना ही, चांद पर खरगोश की छाप पहुंच गई।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। बेरोजगारी के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला
कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। शत्रु पस्त होंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

वृषभ
विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक
किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

मिथुन
यात्रा लाभदायक रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। कार्यसिद्धि होगी।

धनु
कानूनी अड़चन सामने आएगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। व्यर्थ दौड़धूप रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। रोजगार मिलेगा।

कर्क
किसी बड़े काम को करने की तीव्र इच्छा जागृत होगी। आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है।

मकर
कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा।

सिंह
धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। प्रमाद न करें।

कुम्भ
लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। जोखिम न उठाएं।

कन्या
विवाद को बढ़ावा न दें। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं।

मीन
भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंग। कार्य में सफलता मिलेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

अगली फिल्म में नयनतारा संग रोमांस करेंगे सलमान खान

सलमान खान ने सोमवार को ही अपनी अगली फिल्म की घोषणा की थी। इस फिल्म को साउथ के मशहूर निर्माता दिल राजू प्रोड्यूस करने वाले हैं। वहीं इसका निर्देशन वामसी पेडिपल्ली करेंगे। अब मेकर्स ने फिल्म की लीड एक्ट्रेस के नाम की घोषणा की। 'जवान' में शाहरुख खान के साथ काम कर चुकीं नयनतारा इसमें फीमेल लीड होंगी। इस फिल्म के जरिए वो सलमान के साथ पहली बार काम करेंगी।

मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी एक पोस्ट साझा कर यह जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'क्वीन आ चुकी हैं। वर्सटैलिटी और एक्सीलेंस की मिसाल नयनतारा, सलमान खान और वामसी की फिल्म से जुड़ रही हैं। वाकई यह जो खास हम करने जा रहे हैं, उसके लिए आपका साथ पाकर गर्व हो रहा है।

बीते सोमवार सलमान खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फिल्म की घोषणा की थी। उन्होंने बताया था कि वो अपनी अगली फिल्म तेलुगु निर्देशक और निर्माता के साथ करेंगे। सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर निर्देशक वामसी पेडिपल्ली के साथ अपनी एक खास तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर के साथ सलमान ने लिखा, दिल, दिमाग और जिगर से इस अप्रैल से वामसी और दिल राजू के साथ। फिल्म की शूटिंग अप्रैल में शुरू होने वाली है।

सलमान के फैंस को उनकी फिल्म मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस का इंतजार है। पहले फिल्म की रिलीज डेट 17 अप्रैल 2026 थी। मगर अभिनेता प्रशांत तमांग के निधन के बाद इसे मेकर्स 15 अगस्त 2026 या उसके आस-पास तक रिलीज कर सकते हैं।

नया प्रोजेक्ट लेकर आ रहे अजय देवगन, सच्ची घटनाओं पर होगा आधारित

अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दृश्यम 3 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच आज अजय ने अपने नए प्रोजेक्ट का एलान सोशल मीडिया पर किया है। अजय का यह आगामी प्रोजेक्ट सत्य घटना पर आधारित होगा। जिसकी रिलीज डेट से भी अजय ने पर्दा उठा दिया है।

अजय ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है। इस पोस्ट में अजय ने हाथ में एक फ्लॉपी डिस्क पकड़ रखी है, जिस पर लिखा है - हैप्पी बर्थडे जोशी। इस प्रोजेक्ट का निर्माण अजय देवगन और दानिश देवगन मिलकर करेंगे। इसका निर्देशन अंशुल कुमार शर्मा करेंगे। हालांकि, यह जानकारी नहीं दी है कि यह एक फिल्म है या सीरीज।

अजय ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने अगले प्रोजेक्ट की जानकारी देते हुए लिखा, हर किसी की एक सीमा होती है, उसकी तो पूरी दुनिया में फैल गई। ट्विस्ट टैग लाइन के साथ अजय ने आगे लिखा #HappyBirthdayJoshi। अजय ने यह भी बताया कि उनका अगला प्रोजेक्ट सच्ची घटनाओं से प्रेरित होगा। यह 2 अप्रैल को रिलीज हो रही है। अजय के इस पोस्ट पर विंदू दारा सिंह ने लाल इमोजी बनाया है।

अजय देवगन फिल्म दृश्यम 3 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। यह फिल्म 2 अक्तूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। यह फिल्म विजय सालगांवकर की कहानी का अंतिम भाग बताई जा रही है। फिल्म की शूटिंग जारी है। इसमें अजय देवगन, तब्बू और श्रिया सरन अपनी मुख्य भूमिकाओं को दोहराते नजर आएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

अब मैं स्वास्थ्य को ज्यादा महत्व देती हूं, न कि सिर्फ दिखावे को : भूमि

भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी वेब सीरीज दलदल को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में भूमि ने अपने फिल्मी सफर को लेकर खुलकर बात की। इस दौरान भूमि पेडनेकर ने अपनी वेट लॉस जर्नी के बारे में भी कई बाते बताई। हाल ही में दिल्ली में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भूमि पेडनेकर ने भी शिरकत की। इस दौरान भूमि ने कहा कि उन्हें हमेशा सही बने रहने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। बस अपने हुनर पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, किसी का भी महत्व बहुत जल्दी खत्म हो जाता है। इसलिए बेहतर है कि आप अपनी असली प्रतिभा को पहचानें और लगातार अभ्यास करते रहें। भूमि अपने वजन के उतार-चढ़ाव को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कई साल से उनका वजन कभी बढ़ता था तो कभी घटता था। अब थोड़ा वजन कम हो गया है। उन्होंने कहा, उम्र बढ़ने के साथ महिलाओं के शरीर में वजन बढ़ने-घटने की क्षमता कम हो जाती है। इसलिए अब मैं स्वास्थ्य को ज्यादा महत्व देती हूं, न कि सिर्फ दिखावे को। 2025 में भूमि ने फिल्म 'मेरे पति की बीवी' में अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह के साथ काम किया। इसके अलावा उन्होंने नेटफ्लिक्स सीरीज 'द रॉयल्स' में भी अभिनय किया। अब 2026 में उन्होंने अमेजन प्राइम की फिल्म 'दलदल' में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई। फैंस भूमि की सीरीज 'द रॉयल्स 2' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

इस शहर के आगे खत्म हो जाती है दुनिया आगे रखा कदम तो लौटना नामुमकिन

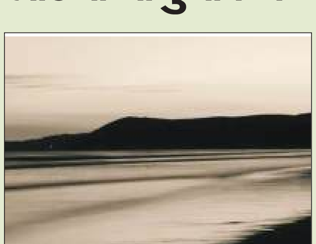

कभी सोचा है कि नक्शे पर दुनिया का आखिरी किनारा कहां होगा? एक ऐसी जगह, जहां जमीन अचानक खत्म हो जाए और सामने सिर्फ अनंत समंदर और बर्फीली वीरानी नजर आए। आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्यमयी शहर के बारे में बताएंगे, जिसे दुनिया का आखिरी शहर कहा जाता है। अर्जेंटीना में स्थित यह इलाका इतना दूर और अलग है कि यहां पहुंचकर लगता है जैसे आप अलग ही दुनिया की सीमाओं से बाहर आ गए हों। इसके आगे बस प्रकृति की खामोशी और अंटार्कटिका की सर्द हवाओं का राज है। अर्जेंटीना के दक्षिणी हिस्से में बसा उशुआइया अपनी खास भौगोलिक स्थिति के कारण दुनियाभर में काफी प्रसिद्ध है। यह टिएरा डेल फ्यूगो राज्य की राजधानी है और इसे दुनिया का सबसे दक्षिणी शहर माना जाता है। दक्षिण अमेरिका का अंत यहीं पर होता है, इसलिए इसे 'फिन डेल मुंडो' यानी दुनिया का आखिरी किनारा कहा जाता है। यहां आने वाले पर्यटकों को ऐसा अहसास होता है जैसे वे किसी नई दुनिया की दहलीज पर खड़े हों, क्योंकि इसके आगे इंसानी बस्तियां लगभग खत्म हो जाती हैं और सिर्फ सुनसान द्वीप ही दिखाई देते हैं। उशुआइया की भौगोलिक स्थिति जितनी आकर्षक है, उतनी ही रहस्यमयी और सिहरन पैदा करने वाली भी है। यह शहर एक ओर मार्शल पर्वत की ऊंची-ऊंची चोटियों से घिरा हुआ है, तो दूसरी तरफ बीगल चैनल के ठंडे और बर्फीले पानी के किनारे बसा है। इसकी सबसे खास बात यह है कि यहां से अंटार्कटिका महाद्वीप की दूरी लगभग 1000 किलोमीटर ही रह जाती है। यही कारण है कि उशुआइया को अंटार्कटिका का प्रवेश द्वार भी कहा जाता है। इस शहर के आगे बढ़ते ही इंसानी हलचल धीरे-धीरे खत्म होने लगती है और शुरू होता है बर्फीले महाद्वीप का ऐसा सन्नाटा, जहां प्रकृति की खामोशी ही सबसे ज्यादा सुनाई देती है। चूंकि उशुआइया अर्जेंटीना का हिस्सा है, इसलिए यहां की आधिकारिक भाषा स्पेनिश है और स्थानीय लोग आपस में इसी में बातचीत करते हैं। लेकिन 'दुनिया के आखिरी शहर' को देखने के लिए यहां पूरे साल विदेशी पर्यटक आते रहते हैं।

अजब-गजब | छोटे से कुएं से होती है इस नदी की शुरुआत

इसे कहा जाता है स्वर्ण रेखा नदी, कइयों की खुल चुकी है किस्मत

झारखंड की राजधानी रांची से महज 15-16 किलोमीटर दूर नगड़ी गांव में एक छोटा सा कुआं है, जिसका नाम है रानी चुआं। इसी कुएं से निकलती है भारत की वो अनोखी नदी जिसका नाम सुनकर हर कोई हैरान रह जाता है, स्वर्णरेखा नदी। स्वर्ण यानी सोना और रेखा यानी लाइन, यानी सोने की रेखा। सचमुच इस नदी की रेत में सूक्ष्म सोने के कण मिलते हैं और आज भी लोग यहां सोना निकालकर अपनी किस्मत आजमाते हैं। स्वर्णरेखा नदी की कुल लंबाई करीब 474 किलोमीटर है। लेकिन सबसे खास बात तो इसके उद्गम स्थल से जुड़ी है, जो है एक छोटा सा कुआं।

यह नदी छोटानागपुर पठार से शुरू होकर झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा से गुजरती हुई अंत में बंगाल की खाड़ी में समा जाती है। नदी का उद्गम स्थल इतना अनोखा है कि लोग दूर-दूर से इसे देखने आते हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस कुएं से पहले सोना निकलता था, इसी वजह से नदी का नाम स्वर्णरेखा पड़ा है। नगड़ी गांव के आसपास और नदी के किनारे खासकर रत्नगढ़ क्षेत्र में सोने के कण सबसे ज्यादा मिलते हैं। आदिवासी समुदाय और स्थानीय मजदूर सुबह से शाम तक नदी की रेत को छानते रहते हैं। वे पारंपरिक तरीके से बाल्टी, छलनी और लकड़ी के उपकरणों की मदद से रेत धोते हैं। इसमें से छोटे-छोटे सोने

के कण अलग होते हैं। एक महीने में कोई 60 से 80 कण निकाल लेता है, तो किसी की किस्मत और अच्छी चल जाती है। कई लोग बताते हैं कि अच्छे दिन में 200 से 400 रुपये तक का सोना एक दिन में मिल जाता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, नदी भू-वैज्ञानिक रूप से खनिज समृद्ध क्षेत्र से गुजरती है। चोटानागपुर पठार में सोने वाले चट्टान हैं। नदी का बहाव इन चट्टानों को काटता है और सोने के सूक्ष्म कण पानी के साथ बहकर रेत में जमा हो जाते हैं। यह प्रक्रिया सदियों से चल रही है। महाभारत काल से भी इस नदी का जिक्र मिलता है। किंवदंती है कि अर्जुन ने तीर चलाकर पानी निकाला था और उसी के साथ सोने के कण भी आए थे। नगड़ी के पास पिस्का गांव में पहले सोने की खदान भी थी। बाद में नदी की रेत में सोना मिलने लगा। आज भी कई परिवार इस काम पर निर्भर हैं। वे नदी की रेत को घर ले जाते हैं, धोते हैं और फिर छोटे-छोटे कण इकट्ठा करके स्थानीय बाजार या सुनारों को बेच देते हैं। कुछ लोग तो पूरे परिवार के साथ नदी किनारे डेरा डालकर दिन-रात मेहनत करते हैं। लेकिन यह काम इतना आसान भी नहीं है। नदी का पानी कभी सूख जाता है तो रेत छानना मुश्किल हो जाता है। बरसात में बाढ़ आ जाती है। इसके अलावा अवैध खनन और प्रदूषण भी नदी को प्रभावित कर रहे हैं। जमशेदपुर, घाटशिला जैसे औद्योगिक इलाकों से गुजरते हुए नदी में औद्योगिक कचरा मिलता है, जिससे पानी की गुणवत्ता प्रभावित होती है। फिर भी सोने की लालच में लोग यहां आते रहते हैं। स्वर्णरेखा नदी सिर्फ सोने के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी मशहूर है। हुंडरू जलप्रपात, दशम जलप्रपात जैसी जगहें इस नदी से जुड़ी हैं। पर्यटक यहां घूमने आते हैं और कई बार सोना ढूंढने की कोशिश भी करते हैं। स्थानीय गाइड उन्हें बताते हैं कि कहां पर ज्यादा संभावना है। झारखंड सरकार और पर्यावरणविद् इस नदी को बचाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। नदी को साफ रखने, अवैध खनन रोकने और पर्यटन को बढ़ावा देने की योजनाएं चल रही हैं। लेकिन स्थानीय लोगों के लिए सोना निकालना आजीविका का जरिया है, इसलिए संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण है।

महिला विरोधी भाजपा को न दें वोट : ममता

बोलीं- एसआईआर में गलती का हवाला देकर हटाए जा रहे नाम

» बनर्जी ने टीएमसी उम्मीदवारों से कहा- नामांकन भरते समय सतर्क रहें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त नए अधिकारियों को उनकी पार्टी के उम्मीदवारों के नामांकन खारिज करने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने टीएमसी प्रत्याशियों से नामांकन दाखिल करते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की। गौरतलब है कि बंगाल में चुनाव एलान के बाद बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल हुआ है।

बीरभूम जिले के नानूर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा, %सब कुछ बदल दिया गया है, यहां नया सेटअप है। चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त नए अधिकारी आपके नामांकन खारिज करने के लिए लगाए गए हैं, इसलिए नामांकन भरते समय सतर्क रहें। उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी राजनीतिक फायदे के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। मुख्यमंत्री ने खासकर महिलाओं से भाजपा को वोट न देने की अपील करते हुए कहा, वे (भाजपा) महिला विरोधी हैं, इसलिए एसआईआर में गलती का हवाला देकर उनके नाम हटाए जा रहे हैं। इससे पहले बुरवान में एक अन्य रैली में ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा ग्रामीण इलाकों में लोगों से नकद पैसे देने के नाम पर उनके बैंक खाता नंबर मांग रही है। उन्होंने लोगों से ऐसी जानकारी साझा न करने की सलाह दी। राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। ममता बनर्जी अपनी रैलियों में भाजपा पर जमकर निशाना साध रही हैं। खासकर एसआईआर को लेकर वे खासी हमलावर हैं। हाल ही में बेलदा में एक रैली में ममता बनर्जी ने कहा था कि भाजपा चुनाव खत्म होते ही गैस और कैश देना बंद कर देगी। ममता बनर्जी ने भाजपा पर समाज को बांटने का गंभीर आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा समाज के विभिन्न वर्गों के बीच नफरत और झगड़े पैदा कर रही है। मुख्यमंत्री के अनुसार, भाजपा इस तनावपूर्ण स्थिति का फायदा उठाकर देश को लूटना चाहती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भाजपा के बहकावे में न आएं। ममता बनर्जी ने साफ किया कि भाजपा केवल सत्ता के लिए लोगों को आपस में लड़ाने का काम कर रही है और चुनाव के बाद वह अपने वादों से मुकर जाएगी।

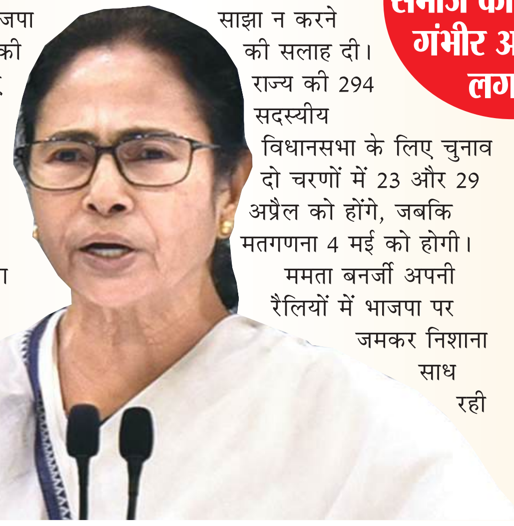

सीएम ने भाजपा पर समाज को बांटने का गंभीर आरोप भी लगाया

बीजू पटनायक पर बयान देकर फंसे निशिकांत दुबे

» माफी मांगते हुए कहा- नेहरू के लिए कहा था, बयान को गलत समझा गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीते हफ्ते भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने ओडिशा के पूर्व सीएम बीजू पटनायक को लेकर कुछ ऐसा कह दिया था, जिस पर खासा विवाद हुआ। अब निशिकांत दुबे ने अपने बयान पर माफी मांगी है। निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया और ये उनके व्यक्तिगत विचार थे। निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, पिछले हफ्ते मीडिया से बात करते हुए मैंने नेहरू गांधी परिवार के कारनामों के क्रम में कुछ बयान दिया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री और भारत के अग्रणी नेताओं में शुमार बीजू पटनायक के संदर्भ में बोली गई, मेरी बातों का गलत मतलब निकाला गया। यह मेरा व्यक्तिगत बयान है। नेहरू जी के ऊपर मेरे विचार को बीजू पटनायक के ऊपर समझा गया। निशिकांत दुबे ने कहा बीजू बाबू हमारे लिए हमेशा ऊंचे कद के नेता रहे हैं और रहेंगे। मेरे वक्तव्य से अगर किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं उसके लिए बिना शर्त माफी मांगता हूं।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने 27 मार्च को एक बयान में दावा किया था कि 1960 के दशक में अमेरिका ने तिब्बत में अपने सैनिक और सीआईए एजेंट भेजे थे क्योंकि उसे डर था कि चीन तिब्बत पर कब्जा कर लेगा। दलाई लामा और उनके भाई लगातार अमेरिकी सरकार के संपर्क में थे। पंडित नेहरू ने पूरा युद्ध अमेरिका के पैसों और सीआईए के सहयोग से लड़ा। उस समय ओडिशा के मुख्यमंत्री बीजू पटनायक अमेरिका, सीआईए और नेहरू के बीच की कड़ी थे।

पहली जीत की तलाश में उतरेंगी कोलकाता-हैदराबाद

» इस सीजन का अपना पहला मैच गंवा चुकी हैं दोनों टीमें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच आज आईपीएल का छठा मैच खेला जाना है। दोनों ही टीमें इस सीजन का अपना पहला मैच गंवा चुकी हैं। ऐसे में इनका लक्ष्य जीत का खाता खोलना होगा। केकेआर की टीम 29 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबला छह विकेट से गंवा बैठी थी, जबकि एसआरएच को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ इतने ही विकेट के अंतर से मैच गंवाना पड़ा था। केकेआर की टीम इस मुकाबले के साथ अपनी गेंदबाजी की मुख्य समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करेगी, खासकर स्पिन गेंदबाजी के मामले में। केकेआर के लिए, यह मैच घरेलू मैदान पर होने वाले अहम मुकाबलों की शुरुआत है। ईडन गार्डन्स में केकेआर का रिकॉर्ड बेहद मजबूत रहा है, जिन्होंने इस मैदान पर खेले गए अपने 95 मुकाबलों में से 54 में जीत हासिल की है, लेकिन इस सीजन की शुरुआत उनके लिए थोड़ी डगमगाती हुई रही है। वहीं, अपने पहले मैच गंवाने के बाद सनराइजर्स हैदराबाद भी इसी तरह की समस्याओं का सामना कर रही है। हालांकि, उनके पास अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और ट्रैविस हेड के रूप में एक मजबूत टॉप ऑर्डर है, लेकिन उनकी गेंदबाजी यूनिट 200 से ज्यादा के स्कोर का बचाव करने में मुश्किल महसूस कर रही है। फिटनेस से जुड़ी समस्याओं के कारण पैट कमिंस की अनुपस्थिति ने उनकी टीम को और भी कमजोर कर दिया है।

लखनऊ पर जीत के साथ दिल्ली का शानदार आगाज

लखनऊ। लुंगी एनगिडी और टी नटराजन की घातक गेंदबाजी के बाद समीर रिजवी और ट्रिस्टन स्टब्स की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हराकर आईपीएल 2026 की अपनी पहली जीत दर्ज की। इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने 18.4 ओवर में 10 विकेट पर 141 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 17.1 ओवर में चार विकेट पर 145 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। 142 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली ने 26 के स्कोर तक अपने चार विकेट खो दिए थे। यहां से समीर रिजवी ने ट्रिस्टन स्टब्स के साथ पांचवें विकेट के लिए 76 गेंदों में 119 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 17 गेंदें शेष रहते जीत दिला दी। इससे पहले लखनऊ की टीम ने 71 के स्कोर तक अपना पांचवां विकेट खो दिया था। यहां से अब्दुल समद ने मुकुल चौधरी के साथ 34 रन और शाहबाज अहमद के साथ 33 रन की साझेदारी करते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

देश को संकट में झोंक रही भाजपा: खरगे

» महंगाई को लेकर सरकार पर हमलावर हुई कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने देश की रणनीतिक और आर्थिक नीतियों को पूरी तरह तबाह कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जहां आम नागरिक राहत की उम्मीद कर रहे हैं, वहीं भाजपा सरकार जनता को लूटने और देश को संकट में झोंकने में लगी हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा एक पोस्ट में बताया, मोदी सरकार ने देश की रणनीतिक और आर्थिक नीतियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है, जिसका सीधा असर अब 140 करोड़ भारतीयों को भुगतना पड़ रहा है।

खरगे ने कहा कि आज से कई रोजमर्रा की जरूरी चीजों के दाम बढ़ने जा रहे हैं, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में भारी बढ़ोतरी हुई है, जबकि आपूर्ति कम हो रही है। इसका असर सड़क किनारे चाय की कीमतों से लेकर मिड-डे मील योजना तक पड़ेगा। एविएशन टर्बाइन फ्यूल महंगा होने से हवाई यात्रा भी आम लोगों की पहुंच से दूर होती जा रही है। खरगे ने आरोप लगाया कि आम नागरिक, किसान, मजदूर और एमएसएमई सेक्टर राहत की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं की अनदेखी कर रही है। उन्होंने इस मुद्दे पर एक वीडियो साझा करते हुए इसे भाजपा लूट दिवस बताया। इस बीच, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत बुधवार को 195.50 रुपये बढ़ाकर दिल्ली में 2,078.50 रुपये कर दी गई है। इससे पहले 1 मार्च को इसमें 114.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी।

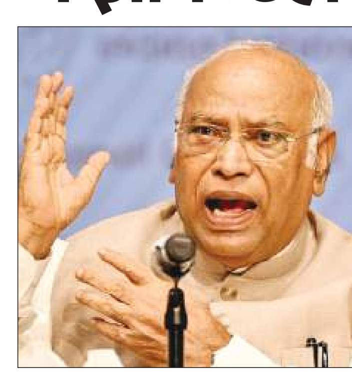

दवाएं और टोल टैक्स आदि भी महंगा होने का लगाया आरोप

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 900 से अधिक आवश्यक दवाएं महंगी हो गई हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की लागत और बढ़ेगी। इसके अलावा उन्होंने स्टेंट की कीमतों में वृद्धि, टोल टैक्स में बढ़ोतरी, स्पीड पोस्ट शुल्क में 34 प्रतिशत इजाफा, और प्लास्टिक, स्टील व सिरेमिक उद्योगों पर असर जैसे मुद्दों को भी उन्होंने उठाया। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए पीवीसी पाइप महंगे हो गए हैं।

कैमरे बदलना पसंदीदा कंपनी को ठेका देने का बहाना : भारद्वाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र की ओर से सुरक्षा को मजबूत करने के मकसद से 1 अप्रैल से चीन निर्मित सीसीटीवी कैमरों की बिक्री पर रोक लगाने के बाद दिल्ली सरकार भी अलर्ट हो गई है। दिल्ली सरकार भी अपने यहां लगे कैमरों को बदलने की तैयारी शुरू करने जा रही है। हालांकि इसे लेकर दिल्ली में सियासत गरमा गई है।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सरकार का यह आरोप असल में अपनी पसंदीदा कंपनी को नए ठेके देने का एक बहाना मात्र है। अगर वाकई में राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर कोई चिंता है, तो बीजेपी सरकार ने पूरे भारत में इनके इस्तेमाल पर पूरी तरह से रोक क्यों नहीं लगाई? उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि चुनिंदा तौर पर जताई जा रही यह चिंता कई गंभीर सवाल खड़े करती है।

महज वोटिंग मशीन बनकर रह गए हैं मुस्लिम: ओवैसी

» बंगाल में चुनाव प्रचार में ओवैसी-हुमायूं कबीर एक मंच पर साथ दिखे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। आईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को मुर्शिदाबाद में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने हुमायूं कबीर के नेतृत्व वाली पार्टी एजेयूपी के उम्मीदवारों के समर्थन में वोट मांगे। ओवैसी ने कहा कि बंगाल में कमजोर वर्गों और मुसलमानों का शोषण रोकने के लिए उन्होंने कबीर के साथ हाथ मिलाया है। ओवैसी ने सत्ताधारी टीएमसी और अन्य दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि इन पार्टियों ने मुसलमानों का इस्तेमाल सिर्फ वोट के लिए किया, लेकिन उनके विकास के लिए कुछ नहीं किया।

उन्होंने कहा कि पिछले 50 वर्षों में इस समुदाय ने कांग्रेस, वाम मोर्चे और टीएमसी को वोट दिया, फिर भी उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। रैली में ओवैसी ने कहा कि भारतीय राजनीति की सच्चाई यही है कि जिस समाज का अपना नेतृत्व होता है, वही तरक्की करता है। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि मुसलमान अब सिर्फ वोटिंग मशीन बनकर रह गए हैं। अब समय आ गया है कि मुस्लिम समुदाय अपने नेता खुद चुने।

रामनगरी में गौतम अदाणी : आस्था, असर और कल्चर कनेक्ट का नया अध्याय

रामलला के दर्शन से गुरुकुल तक गौतम अदाणी का संदेश विकास के साथ संस्कृति भी एआई के दौर में परंपरा को नई रफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या की सुबह सरयू की हवा और मंदिर की घंटियों के बीच आज अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी अपने परिवार के साथ श्री राम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे और दर्शन किये। रामलला के दरबार में गौतम अदाणी ने पत्नी प्रीति अदाणी और परिवार के साथ विशेष पूजा-अर्चना की। बाहर निकलकर उन्होंने जो कहा वह सीधा और सधा हुआ था यह मंदिर सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं बल्कि भारत की संस्कृति, एकता और आत्मविश्वास का प्रतीक है। यह बयान सिर्फ श्रद्धा नहीं बल्कि एक व्यापक दृष्टि का संकेत भी देता है जिसमें धर्म राष्ट्र और विकास एक साथ बुने जाते हैं।

उनकी इस यात्रा का असली टर्निंग प्वाइंट राम मंदिर से निकलकर गुरुकुल की ओर बढ़ते कदम थे। गौतम अदाणी का काफिला जब अयोध्या के एक निशुल्क गुरुकुल महाविद्यालय पहुंचा तो वहां का माहौल अलग था। छात्रों के बीच बैठकर गौतम अदाणी ने यहां संस्कृत, परंपरा और मूल्यों पर छात्रों के साथ चर्चा की उन्होंने यहां जो समय बिताया वह किसी कारपोरेट मीटिंग से ज्यादा एक सांस्कृतिक संवाद जैसा था। गुरुकुल के पदाधिकारियों ने उन्हें एक पुस्तक भेंट की। पत्रकारों से बातचीत में

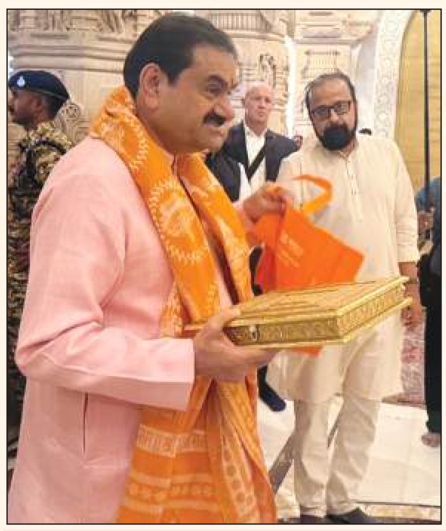

भारत की ग्रोथ स्टोरी में संस्कृति अब साफ्ट पावर नहीं बल्कि मुख्यधारा का हिस्सा बन रही है?

गौर करने वाली बात यह भी है कि अदाणी ने अपनी बात को सिर्फ मंदिर तक सीमित नहीं रखा बल्कि शिक्षा और संस्कृति को जोड़ते हुए गुरुकुल माडल की तारीफ की। आज जब एजुकेशन सिस्टम में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। डिजिटल क्लासरूम एआई टूल्स, ग्लोबल सिलेबस। ऐसे में गुरुकुल जैसी पारंपरिक व्यवस्था को सपोर्ट करने की बात एक अलग विमर्श खड़ा करती है। अयोध्या की इस यात्रा में कोई बड़ा ऐलान नहीं हुआ न ही कोई आर्थिक पैकेज घोषित किया गया। लेकिन इसके बावजूद यह यात्रा चर्चा में है क्योंकि यह साइलेंट मैसेज वाली यात्रा है यहां शब्द कम थे संकेत ज्यादा। अब देखना यह है कि यह संदेश यहीं तक सीमित रहता है या आगे चलकर कोई ठोस पहल में बदलता है। क्योंकि अगर कॉर्पोरेट सेक्टर सच में संस्कृति और शिक्षा के इस मॉडल में निवेश करता है, तो यह सिर्फ सीएसआर नहीं बल्कि भारत की सॉफ्ट पावर को मजबूत करने का बड़ा कदम हो सकता है।

गौतम अदाणी ने साफ कहा कि गुरुकुल आज के दौर में संस्कृति को जीवित रखने का महत्वपूर्ण काम कर रहे हैं। यहीं से गौतम अदाणी के मुह से निकला अगला वाक्य और दिलचस्प हो जाता है कि एआई के समय में संस्कृति को और वेग कैसे मिले इसके लिए हर सहयोग किया जाएगा। यानी बात सिर्फ संरक्षण की नहीं बल्कि अपग्रेड की है। परंपरा को संग्रहालय में रखने की नहीं बल्कि टेक्नोलॉजी के साथ जोड़कर आगे बढ़ाने की। और यहीं पर अदाणी फाउंडेशन की भूमिका सामने आती है जो शिक्षा और सामाजिक क्षेत्रों में पहले से सक्रिय है।

गुरुकुल के एक शिक्षक ने भी माना कि गौतम अदाणी की संस्कृत और भारतीय संस्कृति में दिलचस्पी स्पष्ट दिखी। यह बात महज औपचारिक नहीं लगती क्योंकि कॉर्पोरेट दुनिया में जहां रिटर्न आन इंवेस्टमेंट की भाषा चलती है वहां संस्कृति पर निवेश का इशारा अपने आप में अलग है। सवाल यह भी है कि क्या यह कल्चर कनेक्ट भविष्य में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी का नया चेहरा बनेगा? अयोध्या की यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब देश में सांस्कृतिक पहचान, धार्मिक विरासत और आर्थिक विकास तीनों पर बराबर चर्चा हो रही है। एक ओर विशाल मंदिर दूसरी ओर आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर यह संतुलन ही आज की राजनीति और अर्थव्यवस्था का नया फ्रेम बनता दिख रहा है। ऐसे में गौतम अदाणी जैसे उद्योगपति का इस फ्रेम में सक्रिय दिखना अपने आप में कई संकेत देता है।

ट्रंप ने किया ईरानी सेना को नष्ट करने का दावा

- तेहरान ने इस्राइल पर दागीं कई मिसाइलें
- पश्चिम एशिया युद्ध का 34वां दिन, हालात अब विस्फोटक और बेकाबू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में एक महीने से ज्यादा समय से चल रहे संघर्ष में हालात अब विस्फोटक और बेकाबू हो चुके हैं। इस्राइल और अमेरिका का ईरान के साथ जारी भीषण टकराव अब अपने 34वें दिन में प्रवेश कर चुका है और हालात ज्यादा खतरनाक रूप ले चुका है। मिसाइलों की बारिश और लगातार धमाकों ने तबाही का मंजर खड़ा कर दिया है।

इस्राइली रक्षा बलों ने बताया कि ईरानी शासन के कमांडरों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला आईआरजीसी ग्राउंड फोर्सेज का एक बेस और एक मोबाइल कमांड पोस्ट नष्ट हो गया। इसके अलावा, तबरीज क्षेत्र में मिसाइल यूनिट से जुड़े एक बैलिस्टिक मिसाइल भंडारण स्थल पर भी हमला किया गया है।

ईरानी मिसाइलों की चेतावनी जारी इस्राइली सेना ने कुछ देर पहले दो बयान जारी कर ईरान की धरती से इस्राइल की ओर दागी गई मिसाइलों की चेतावनी दी है। चैनल 12 के मुताबिक, इन हमलों से उत्तरी इस्राइल में दहशत फैल गई है और इनमें से एक मिसाइल में खतरनाक वारहेड लगा हुआ है।

आईआरजीसी का दावा इस्राइली हर्मीस 900 ड्रोन को मार गिराया

ईरानी मीडिया द्वारा प्रसारित एक बयान में ईरान के फार्स प्रांत में आईआरजीसी के एक जनसंपर्क अधिकारी ने कहा है कि रक्षा प्रणालियों ने शिराज शहर के ऊपर एक इस्राइली हर्मीस 900 ड्रोन को नष्ट कर दिया।

लेबनान से उत्तरी इस्राइल में दागे गए 300 से ज्यादा रॉकेट

इस्राइल के चैनल 12 ने लेबनान से दागे गए रॉकेटों के हमले के बाद गैलील क्षेत्र की एक बस्ती से उठते धुएं के बादल की तस्वीर प्रकाशित की है। चैनल ने बताया कि कुछ ही मिनटों में इस क्षेत्र में 30 से अधिक रॉकेट दागे गए। पिछले एक घंटे में गैलील क्षेत्र में यह दूसरा ऐसा हमला था। माना जा रहा है कि ईरान समर्थित हिजबुल्ला की ओर से यह हमला किया गया है।

हमारी असली ताकत से अनजान है अमेरिका

ईरानी सेना ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा राष्ट्र को संबोधित करते हुए दिए गए बयान पर कड़ा जवाब देते हुए चेतावनी दी कि यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक वाशिंगटन को स्थायी अपमान, खेद और आत्मसमर्पण का सामना नहीं करना पड़ता। यह जानकारी ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस टीवी ने दी है। खातम अल-अनबिया केंद्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता द्वारा जारी बयान के अनुसार, ईरान ने अमेरिकी दावों को खारिज करते हुए कहा कि ईरान के सैन्य ढांचे और क्षमताओं को नुकसान पहुंचाने के अमेरिकी दावे अधूरे हैं। प्रवक्ता ने आगे कहा कि वाशिंगटन इस्लामिक गणराज्य की विशाल रणनीतिक क्षमताओं से अनभिज्ञ है और संघर्ष के दौरान तेहरान की मिसाइलों और ड्रोन लॉन्च करने की क्षमता को काफी हद तक कम करने के ट्रम्प के दावों को भी खारिज कर दिया। ईरान का केंद्रीय खातम अल-अनबिया मुख्यालय ईरान की सर्वोच्च परिचालन कमान इकाई है जो ईरानी सेना और इस्लामिक क्रांति रक्षक कोर (आईआरजीसी) के बीच अभियानों का समन्वय करती है। प्रवक्ता ने अमेरिका पर आक्रामकता शुरू करने का आरोप लगाया और निरंतर जवाबी कार्रवाई की कसम खाई। प्रेस टीवी के अनुसार, उन्होंने कहा, हमारे सम्मानित, प्रिय मुस्लिम राष्ट्र के विरुद्ध शुरू की गई आक्र मकता की कीमत आपको चुकानी होगी। यह युद्ध तब तक जारी रहेगा जब तक आपको स्थायी अपमान, पश्चाताप और आत्मसमर्पण का सामना नहीं करना पड़ता। आपको पहले ही जो गंभीर प्रहार मिल चुके हैं, उनके क्रम में हम और भी करारा और विनाशकारी हमले करेंगे। यह घटना ट्रंप द्वारा फरवरी के अंत में ईरान के विरुद्ध शत्रुता शुरू होने के बाद राष्ट्र को संबोधित करते हुए अमेरिकी सेना की इस्लामिक गणराज्य के विरुद्ध निर्णायक प्रहार के लिए प्रशंसा करने और यह दावा करने के बाद घटी है कि अभियान का मुख्य उद्देश्य पूरा होने के करीब है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 **Email**: daily4pm@gmail.com **website**: www.4pm.co.in
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**